

बस स्टैंड चौकी पुलिस की मुस्तैदी से टली बड़ी वारदात, कार समेत पिस्टल जब्त

हरिभूमि, जबलपुर।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान जब पूरा शहर टीवी स्क्रीन पर सस्पेंस और रोमांच में डूबा हुआ था। उस समय बस स्टैंड चौकी पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए शांति बर्दाशों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक नाबालिग को पिस्टल सहित गिरफ्तार कर लिया था, जबकि उसका साथी और कुछात अपराधी निक्की उर्फ नितिन ठाकुर निवासी मांडवा बस्ती, रामपुर मौके से फरार हो गया था। लेकिन पुलिस की लगातार परेबंदी और प्रयासों के चलते फरार आरोपी निक्की को मंगलवार को बस स्टैंड चौकी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

तेज रफ्तार कार ने खींचा ध्यान

रविवार देर रात बस स्टैंड चौकी प्रभारी जगन्नाथ यादव अपनी टीम के साथ तीन पत्ती चौक पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान बलेनो कार एमपी 20 सीजी 6119 तेज रफ्तार से आती नजर आई। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने रफ्तार और तेज कर दी। पीछा करने पर कार को आरोपी तीन पत्ती क्षेत्र में छोड़कर फरार हो गया।

नाबालिग से पिस्टल बरामद

कार की अगली सीट पर बैठे काले शर्ट पहने एक नाबालिग को पुलिस ने मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि यह हथियार निक्की का है। पुलिस ने तुरंत कार और हथियार जब्त कर लिया।

नाबालिग के बाद शांति बर्दाश निक्की गिरफ्तार



शांति निक्की पर कई मामले दर्ज

निक्की उर्फ नितिन ठाकुर के खिलाफ गोरबाजार समेत कई थानों में बमबाजी, मारपीट और अड़िबाजी जैसे कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस को आशंका थी कि वह नाबालिग साथी के साथ किसी बड़ी वारदात की फिराक में था। फरारी के बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज की और आखिरकार मंगलवार को उसे दबोच लिया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी जगन्नाथ यादव, एएसआई शिव विश्वकर्मा, आरक्षक दीपक, प्रियांशु झारिया और शुभम दाहिया की भूमिका सराहनीय रही।



पिटू अन्ना गैंग का सदस्य निकला नाबालिग

चौकी प्रभारी यादव ने बताया कि पकड़ा गया नाबालिग पिटू अन्ना गैंग का सक्रिय सदस्य है और उसके खिलाफ गोरहलपुर थाने में भी अपराध दर्ज है।

दस किलोमीटर में ही खत्म हो जाता है एक लीटर पेट्रोल!

नई होंडा एक्टिवा में गंभीर खराबी! उपभोक्ता फोरम ने कंपनी व डीलर को मेजा नोटिस

हरिभूमि, जबलपुर।

शिकायत में लगाए गए आरोप

एक कामकाजी महिला द्वारा खरीदी गई नई होंडा एक्टिवा स्कूटी में लगातार गंभीर खराबियां आने के मामले को जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके स्थानीय डीलर फ्रंटियर होंडा, पनागर (रिलायंस पेट्रोल पंप के पास, जबलपुर) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

यह है पूरा मामला

शिकायतकर्ता श्रीमती श्यामा रैकवार, जो अपने परिवार की एकमात्र कमाऊ सदस्य हैं, ने बताया कि उन्होंने 6 अगस्त 2024 को फ्रंटियर होंडा से 1,00,959 रुपये में एक्टिवा (डीएलएक्स) स्कूटी लोन पर खरीदी थी। लेकिन खरीद के सिर्फ 15 दिन बाद, यानी 16 अगस्त से ही वाहन में लगातार गंभीर खराबियां आने लगीं।

यह मांगी गई राहत

शिकायतकर्ता ने आयोग से मांग की है कि विपक्षी पक्ष या तो उन्हें नई स्कूटी उपलब्ध कराए या पूरी खरीद राशि वापस लौटाए। इसके अलावा, मानसिक परेशानी, आय के नुकसान और लोन की किराओं का बोझ झेलने के कारण 3 लाख रुपये हज्जने की भी मांग की गई है। इस मामले में शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, पंकज तिवारी, अरविंद सिंह चौहान और शुभम पाटकर ने पैरवी की। उपभोक्ता फोरम ने नोटिस जारी कर कंपनी और डीलर से जवाब तलब किया है।

आयोग में दायर शिकायत के अनुसार स्कूटी चलते-चलते अचानक बंद हो जाती थी, जिससे सड़क पर हादसे का खतरा बना रहता था। बंद होने पर सेल्फ-स्टार्ट और किक-स्टार्ट दोनों ही काम नहीं करते थे। वाहन में अत्यधिक ईंधन खपत हो रही थी, लगभग 10 किमी में ही 1 लीटर पेट्रोल खत्म हो जाता था। वाहन बंद होते ही इंजिनेटर व हेडलाइट समेत इलेक्ट्रिकल पार्ट्स फेल हो जाते थे।

डीलर पर लापरवाही का आरोप

रैकवार ने आरोप लगाया कि बर-बार शिकायत करने पर भी डीलरशिप प्रबंधन ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। हर बार इसे 'सामान्य खराबी' बताकर सर्विसिंग की जाती रही। 15 अप्रैल 2025 को अंतिम बार सर्विसिंग के बाद भी वाहन पूरी तरह से बंद पड़ा है और अब चलने लायक नहीं है।



कलेक्टर, कप्तान और कमिश्नर ने किया पैदल भ्रमण

हरिभूमि, जबलपुर।

नवरात्रि पर्व के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से तैयारियों का जायजा लिया। मंगलवार शाम कलेक्टर रामचंद्र सिंह, पुलिस कप्तान सम्मत उपाध्याय एवं नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार ने संवेदनशील जुलूस मार्गों पर पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-

संवेदनशील जुलूस मार्गों का जायजा, दिए सख्त निर्देश

निर्देश दिए। अधिकारियों ने मंदिर परिसरों एवं विसर्जन मार्ग पर लगाई गई सुरक्षा व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। इस अवसर पर पुलिस बल की तैनाती, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिए गए। यह रहे उपस्थित-इस दौरान एएसपी सिटी आयुष गुप्ता, एएसपी यातायात अंजना तिवारी, सीएसपी गोरहलपुर मधुर पटेरिया, टीआई हनुमानताल धीरज राज और टीआई गोरहलपुर रीतेश पाण्डे भी मौजूद रहे।

अब पीड़ित बेजुबानों की जुबान भी समझेगी पुलिस

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर जबलपुर पुलिस की अनोखी पहल

हरिभूमि, जबलपुर।

मूक-बधिर पीड़ित जब थाने पहुंचते हैं तो उनकी बातों को समझ पाना पुलिस के लिए कठिन होता है। इसी समस्या को दूर करने के लिए मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर जबलपुर पुलिस ने सराहनीय कदम उठाया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बेसिक सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण देकर हाथों की मुद्राओं और संकेतों से बातचीत करना सिखाया गया। उक्त कार्यक्रम पुलिस कप्तान सम्मत उपाध्याय के मुख्य आतिथ्य और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। सक्षम ऑर्गनाइजेशन संस्था द्वारा कराए गए इस प्रशिक्षण में पुलिस कर्मियों को मूक-बधिरों से संवाद स्थापित करने के व्यावहारिक



तरीके बताए गए।

हर पीड़ित तक पहुंचे न्याय

कप्तान उपाध्याय ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य समाज के हर पीड़ित तक न्याय पहुंचाना है। मूक-बधिरों से प्रभावी

संवाद के लिए यह प्रशिक्षण उपयोगी साबित होगा। उनकी शिकायतों को समझने के बाद तुरंत कानूनी कार्यवाही

संभव होगी।

प्रशिक्षण प्राप्त पुलिस कर्मियों को जिले के किसी भी थाने में मूक-बधिर व्यक्तियों से संबंधित शिकायत मिलने पर तैनात किया जाएगा। वे मौके पर पहुंचकर पीड़ितों की बात समझेंगे और कार्यवाही कराएंगे।

यह रहे उपस्थित

इस मौके पर शासकीय स्कूल के प्रिंसिपल शिव शंकर कपूर, महाकौशल बधिर संघ के प्रेसिडेंट संजय सोनी, जनरल सेक्रेटरी प्रमोद नायर, सक्षम ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष सोनी सहित पुलिस विभाग से डीएसपी ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय, सीएसपी अधारताल राजेश्वरी कौरव, सीएसपी रांडी सतीश साहू और करीब 25 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

हमला कर लूट करने वाले तीन गिरफ्तार

जबलपुर। मादेताल क्षेत्रांतर्गत चाकू से हमला कर लूट और अंधे वस्त्रों के मामलों में पुलिस ने तीन फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बदनदार चाइला चाकू और एक्टिवा भी जब्त किए। गिरफ्तार आरोपियों में 25 वर्षीय मोह, फेरुल अंसारी, 21 वर्षीय मोह, आजाद अंसारी और 19 वर्षीय रहीम उर्फ मुसाहिद अंसारी शामिल हैं। सभी आरोपी हनुमानताल क्षेत्र के निवासी हैं। आरोपियों ने पूछताछ में सुरेश कुमार चहल और रंजीत यादव के साथ पिछले एक माह में की गई चोरी और लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चाकू और एक्टिवा बरामद कर उनको जिला जेल के समक्ष पेश किया जहाँ से उनको जेल भेज दिया।



62 शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के लिए निर्देश

कप्तान ने जन सुनवाई में सुनी आम जनता की शिकायतें

जबलपुर। आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को पुलिस कप्तान सम्मत उपाध्याय के द्वारा जन सुनवाई आयोजित की गई। इस अवसर पर शहर और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों ने अपने मुद्दों और समस्याओं सीधे पुलिस अधिकारियों के सामने रखीं। जन सुनवाई में कुल 62 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें पति-पत्नी/परिवारिक विवाद, जमीन-संपत्ति संबंधित मामलों, मारपीट और साइबर अपराध प्रमुख थीं। कप्तान उपाध्याय ने सभी शिकायतकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों पर शीघ्र वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने सम्बंधित थाना प्रभारियों और राजपत्रित अधिकारियों को शिकायतों का तत्काल और समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए।

यह रहे उपस्थित

इस दौरान एएसपी जितेंद्र सिंह, डीएसपी ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय, डीएसपी मुख्यालय बीएस गोठरिया भी उपस्थित रहे।



हार्टफुलनेस मेडिटेशन का प्रथम सत्र सम्पन्न

6वीं वाहिनी विसबल जबलपुर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि, जबलपुर।

पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार सेनानी सिद्धार्थ चौधरी के निर्देशन में 6वीं प्रशिक्षण वाहिनी जबलपुर में प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक संतुलन, तनाव मुक्त जीवन एवं आंतरिक शुद्धि हेतु हार्टफुलनेस मेडिटेशन कार्यक्रम को शुरुआत की गई। मंगलवार को आयोजित प्रथम सत्र में आरक्षक सुरेंद्र विश्वकर्मा ने कान्हा शांतिवनम हैदराबाद से प्रमाणित प्रशिक्षक के रूप में ध्यान कराया। इस दौरान प्रशिक्षण शाला के 282 प्रशिक्षणार्थियों और 28 प्रशिक्षक दल सहित कुल 310 सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों

को तनाव मुक्ति, ध्यान और आत्मिक शांति का अभ्यास कराया गया। यह ध्यान कार्यक्रम तीन दिवसीय श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें आगे के सत्रों में प्रतिभागियों को सकारात्मक सोच, मानसिक ऊर्जा और आत्मनियंत्रण पर विशेष अभ्यास कराया जाएगा।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर सहायक सेनानी एमपी सिंह, निरीक्षक विक्रम सिंह, विजय मेहरा, स्वरूप सिंह उड़के सहित पीटीएस के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

660 मेगावाट की स्थापना पर अभियंता संघ ने जताया आभार

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जॉइंट वेंचर को निरस्त कर अमरकंटक एवं सारणी ताप विद्युत गृहों में 660 मेगावाट क्षमता की इकाइयों की स्थापना मध्यप्रदेश पावर जनररेंटिंग कंपनी के स्वामित्व में कराने के कैबिनेट निर्णय पर मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ ने आभार व्यक्त किया है। संघ ने अध्यक्ष हितेश तिवारी ने कहा कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आम जनता को दीर्घकाल तक सस्ती एवं विश्वसनीय बिजली उपलब्ध होगी। महासचिव विकास शुक्ला ने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिलेगी तथा राज्य की उत्पादन कंपनी को अपनी क्षमता और तकनीकी दक्षता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

कुलगुरु के वाहन में बांध दिए काले गुब्बारे

कर्मचारियों की हड़ताल से छात्रों को परेशानी, एनएसयूआई का प्रदर्शन

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में कर्मचारी संघ की पिछले एक हफ्ते से चल रही हड़ताल से विद्यार्थियों को लगातार परेशानी हो रही है। उनकी न तो डिग्री बन पा रही है और न ही माइवेशन का काम हो पा रहा है। अन्य प्रशासनिक कामकाज भी प्रभावित हैं। इधर राहुलवि प्रबंधन कोर्ट निर्णय नहीं कर पा रहा। कर्मचारी संघ कुलगुरु से लेकर कुलाधिपति तक गृहकार लगा चुके हैं लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। छात्रों की परेशानी देखते हुए एनएसयूआई ने बुधवार को कुलगुरु को काले गुब्बारे दिखाए। छात्रों ने कुलगुरु के वाहन में काले गुब्बारे लगा दिए।

इधर, हड़ताल के चलते छात्रों को हो रही समस्याओं को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने कुलगुरु डॉ. राजेश वर्मा का विरोध किया। जैसे ही कुलगुरु विश्वविद्यालय से निकलने लगे, प्रदर्शनकारियों ने उनकी गाड़ी रोक दी और उस पर काले गुब्बारे बांध दिए। जब कुलगुरु ने प्रदर्शनकारी छात्रों से बात करने से इंकार कर दिया और गाड़ी से उतरकर पैदल चलने लगे, तो कार्यकर्ताओं ने रास्ते में ही उन्हें रोक लिया।

इसके बाद कुलगुरु वापस अपने केबिन में लौट गए। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष रविन रजक ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कुलगुरु इस पर ध्यान नहीं दे रहे



हैं। उन्होंने कहा, पिछले 15 दिनों से कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, लेकिन कुलगुरु उनकी समस्याएं सुनने या हल करने में तैयार नहीं हैं। प्रदर्शन में सचिन रजक, नीलेश माहर, अपूर्व केशरवानी, राहुल रजक, अजुज यादव, अनिल मिश्रा, अभिषेक पटेल, पुष्पेंद्र गौतम, अर्जुन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

कहा- दूसरे पक्ष को भी सुनेंगे, 9 अक्टूबर तक स्थगित की सुनवाई

एमपीएसएसी की परीक्षाओं का शेड्यूल हाईकोर्ट ने फिलहाल नहीं किया मंजूर

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को एमपीएसएसी मुख्य परीक्षा 2025 के मामले पर सुनवाई हुई। मप्र लोक सेवा आयोग की ओर से मुख्य परीक्षा का शेड्यूल हाईकोर्ट में पेश कर इसे मंजूर करने का आग्रह किया गया। लेकिन, फिलहाल चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने मंजूरी नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि दूसरे पक्ष को भी सुनना जरूरी है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को नियत कर दी।

आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को भोपाल निवासी सुनील यादव, नरसिंहपुर निवासी पंकज जाटव एवं बैतूल निवासी रोहित कावडे की ओर से याचिका दायर की गई है। कोर्ट को बताया गया कि मप्र लोक सेवा आयोग(एमपीएसएसी) द्वारा कुल 158 पदों की भर्ती हेतु प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम 05 मार्च को घोषित किए गए। लेकिन परिणाम में वर्गवार कट ऑफ अंक जारी नहीं किए गए। जबकि पूर्व की सभी परीक्षाओं में वर्गवार कट ऑफ अंक जारी किये जाते रहे हैं। तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के विभिन्न फैसलों को बायपास करते हुए आयोग ने अनारक्षित पदों के विरुद्ध

यह है मामला



आरक्षित वर्ग के प्रतिभावाज अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा हेतु चयनित नहीं किया। समस्त अनारक्षित पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित कर प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया गया। आयोग ने अपनी इस अस्वैधानिक त्रुटि को छुपाने के उद्देश्य से 2025 के

प्रारंभिक परीक्षा में कट ऑफ मार्क्स भी जारी नहीं किए हैं। जबकी नियमानुसार प्रत्येक वर्ग की परीक्षा में वर्गवार कट ऑफ अंक जारी किए जाने का प्रावधान है। इसके चलते याचिकाकर्ताओं को मुख्य परीक्षा में चयन से वंचित कर दिया गया है। विगत 21 जुलाई को सुनवाई के दौरान शासन की ओर से जवाब के लिए समय मांगा गया था। शासन और आयोग की ओर से मेन्स 2025 पर लगा स्थगन हटाने की भी मांग की गई थी। इस पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया था कि परीक्षा पर स्थगन नहीं है। कोर्ट ने मेन्स परीक्षा का शेड्यूल बनाकर पेश करने व मंजूरी के लिए एक आवेदन दखिल करने को कहा था।

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट को बताया, इंदौर में नो एंट्री में कोहराम मचाने वाले ट्रक हादसे का मामला, अब इंदौर बेंच करेगी सुनवाई

हरिभूमि जबलपुर।

इंदौर में नो एंट्री में ट्रक के कोराम मचाने के मामले में हाईकोर्ट द्वारा संज्ञान में लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट की मुख्यपीठ में सुनवाई हुई। शासन की ओर से स्टेट्स रिपोर्ट पेश कर बताया गया कि लापरवाही बरतने वाले 9 लोगों को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ चार्जशीट जल्द पेश कर दी जाएगी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा एवं जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने कहा कि चूंकि अभी जांच जारी है, इसलिए इस स्टेट्स रिपोर्ट को सोलंबंद करव में रखा जाए। हाईकोर्ट ने इंदौर शहर के प्रत्येक एंट्री प्वाइंट्स के सीसीटीवी फुटेज पेश करने के निर्देश दिए।

मामले पर सुनवाई के दौरान इंदौर के पुलिस कमिश्नर वचुंअली और ट्रैफिक डीसीपी व्यक्तिगत रूप से हाजिर हुए।

लापरवाही बरतने वाले 9 लोगों को किया निलंबित



के लिए क्या योजना है। शासन की ओर से उप महाधिवक्ता स्वप्निल गांगुली हाजिर हुए।

नियम पालन से टाल जाती घटना

कोर्ट ने उक्त घटना को कानून-व्यवस्था और प्रशासन की बड़ी विफलता माना है। अदालत ने कहा कि अगर नियमों का कड़ाई से पालन हुआ होता, तो शायद यह दर्दनाक हादसा टाला जा सकता था। कोर्ट ने गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब सड़क सुरक्षा के सख्त नियम मौजूद हैं, तो इस तरह के हादसे होना बेहद चिंताजनक है।

मामले पर अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को इंदौर बेंच में होगी। गौरतलब है कि 15 सितम्बर की शाम एयरोड्रोम इलाके की सड़कों पर एक तेज रफतार ट्रक ने करीब एक किलोमीटर तक कई लोगों और वाहनों को कुचला, टक्कर मार दी। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे। हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से पूछा था कि यह गंभीर चुक कैसे हुई। कोर्ट ने यह बताने भी कहा था कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने

शांति व्यवस्था बनाए रखने का संदेश

नगर में रैपिड एक्शन फोर्स ने किया फ्लैग मार्च



सितंबर से 4 अक्टूबर तक की गई है। इस दौरान RAF टीम स्थानीय पुलिस के सहयोग से विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोबाइल पेट्रोलिंग, पैदल गश्त एवं फ्लैग मार्च कर रही है। RAF की 107वीं बटालियन के कमांडर जगदीश प्रसाद बलाई के

नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च संपन्न हुआ। वहीं, पुलिस अधीक्षक जबलपुर संपत उपाध्याय के आदेशानुसार सतकंठा बरती जा रही है, ताकि लौहरोकों को सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जा सके।

ट्रेक्टर नदी में पलटा, कोटवार की मौत

जबलपुर। मझगांव थाना अंतर्गत हिरन नदी में ट्रेक्टर पलटने से पलटने एक युवक की मौत हो गई। बताया गया है कि सोमवार की देर रात मझगांव थाना क्षेत्र के भंडरा ग्राम में पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहे महगवां कोटवार गोलू उर्फ गोवर्धन का ट्रेक्टर अनियंत्रित हो गया और हिरन नदी में जा गिरा। गोलू उर्फ गोवर्धन कोटवार की ट्रेक्टर में दबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कोटवार गोलू खुद ट्रेक्टर चला रहा था। सतधारा घाट पुलिस के ऊपर पहुंचते ही ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर हिरन नदी में पलट गया। पुलिस मर्ग कायम कर मामलों की जांच कर रही है।

विश्व प्रसिद्ध विष्णु वाराह मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

मझौली। शारदीय नवरात्र प्रारंभ होते ही मझौली नगर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण छा गया है। नगर के प्रसिद्ध भगवान विष्णु वाराह मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यहां माता दुर्गा के नौ रूपों की स्थापना की गई है और श्रद्धालु जन मनोयोग से पूजन-अर्चन कर रहे हैं। नगर में इस वर्ष 20 से 25 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं और 15 से अधिक दिवाले एवं खेर माता घंटों की स्थापना भी भक्ति भाव के साथ की गई है। नवरात्र के

शारदीय नवरात्र में भक्तिभाव से सराबोर हुआ नगर

दौरान मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहता है। श्रद्धालु अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना कर मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं। विष्णु वाराह मंदिर, जो कि विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, यहां पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से हर वर्ष नवरात्र में घट स्थापना की परंपरा निभाई जा रही है। दशमी के दिन नगरवासी बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से ज्वारों का विसर्जन करते हैं, जो नगर से सटे तालाब में किया जाता है।

प्रशासनिक अनदेखी से भक्त हो रहे हैं परेशान

भीड़ बढ़ने के साथ ही यातायात और पार्किंग व्यवस्था की समस्या सामने आ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी तक थाना मझौली, नगर परिषद मझौली और अन्य प्रशासनिक विभागों द्वारा मंदिर परिसर और मुख्य मार्ग पर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि विष्णु वाराह मंदिर प्रांगण में व्याप्त अतिक्रमण को हटाया जाए, और वहां खड़े वाहनों को अनवरत स्थानांतरित किया जाए। साथ ही भक्तों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।



नरसिंह दरबार में स्थापित की गई काली जी की 10 महाविद्यायें

बरेला। नवरात्रि के पावन अवसर पर बरेला हाईवे पर स्थित नरसिंह दरबार में इस वर्ष मां काली की 10 महाविद्याओं की स्थापना की गई है। इस संबंध में आयोजन समिति के सोनू यादव ने बताया कि नरसिंह दरबार हमेशा से ही आस्था का केंद्र रहा है नरसिंह दरबार में इस वर्ष काली जी की 10 महा विद्याओं की स्थापना बैठकों में की गई है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालु भक्तों से मां काली की 10 महाविद्याओं का दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

दुर्गा पंडालों का किया निरीक्षण, व्यवस्थायें करने दिए निर्देश

बरेला। नवरात्र पर्व पर नगर के विभिन्न स्थानों में विराजमान देवी प्रतिमाओं के पंडालों में साफ सफाई, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था का जायजा लेने के लिए नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, पूर्व उपाध्यक्ष सोनू सोनकर, निकाय सीएमओ संजय पांडे, उपयंत्री संजय



कैथवास पार्थद दीपक सोनकर, पूर्व पार्थद मुनि विश्वकर्मा, महेश चक्रवर्ती, स्वच्छता प्रभारी अर्पित दुबे, विद्युत एवं जलप्रदाय प्रभारी विवेक रेकवार, राकेश पटेल, महेंद्र गोटीया, सुशील बर्मन, सतेंद्र बैरागी, मेसी विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से देवी पंडालों का भ्रमण किया एवं नागरिकों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए निकाय के अधिकारी तथा कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सभी समितियों के पदाधिकारियों से नवरात्रि एवं दशहरा को सामाजिक एवं धार्मिक सद्भाव के साथ धूमधाम से मनाने का आग्रह किया।

सराफा एसोसिएशन की नवीन कार्यकारिणी गठित

बरेला। नगर के सराफा व्यवसायियों को आवश्यक बैठक का आयोजन संजय सोनी के निवास स्थान पर प्रदेश एवं जबलपुर सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों की अध्यक्षता में की गई। इस अवसर पर राजा सराफा मध्य प्रदेश सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष एवं अजय बख्तावर जबलपुर सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष द्वारा सराफा व्यवसायियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि व्यवसाय में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए संघटित होना आवश्यक है। इस अवसर पर बरेला नगर की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें संरक्षक सुरेश कुमार सोनी (पडवार) राजेश सोनी (गुड्डू भैया), अवध बिहारी सोनी, रामगोपाल सोनी (गौर), अध्यक्ष बृज बिहारी सोनी



,उपाध्यक्ष विशाल सोनी, राकेश सोनी, महासचिव दिनेश सोनी(पत्रकार), कोषाध्यक्ष अभिषेक सोनी एवं संगठन मंत्री हैप्पी खत्री, संजय सोनी ,विकास जैन (विककी)अखिलेश सोनी ,प्रचार मंत्री प्रमोद सोनी, मनीष सोनी,राजेश सोनी (पडवार), रवी मोहन सोनी (गौर) ,सचिन सोनी कार्यकारिणी सदस्य गोविंद सोनी ,प्रदीप सोनी, मोहित सोनी ,राम जी सोनी, अमन सोनी, आशुतोष सोनी, प्रांजल सोनी ,अमित साहू, श्रीकांत चौकसे ,मुकेश सोनी (गौर),समस्त कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर सराफा एसोसिएशन जबलपुर एवं बरेला नगर के समस्त सराफा व्यापारी उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए एमपी ट्रांसको का बड़ा कदम प्रदेश के विद्युत सबस्टेशनों में कैपेसिटर बैंक स्थापित

हरिभूमि जबलपुर।

उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की दिशा में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कंपनी के जबलपुर में छह सब स्टेशनों सहित प्रदेश के 417 सबस्टेशनों में से 412 पर विभिन्न क्षमताओं के कैपेसिटर बैंक सक्रिय है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने एमपी ट्रांसको की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि कैपेसिटर बैंकों की व्यवस्था से प्रदेशवासियों को उच्च गुणवत्ता और स्थिर वोल्टेज पर बिजली आपूर्ति संभव हो रही है।



प्रदेश में कुल 751 कैपेसिटर बैंक

प्रदेश स्तर पर एमपी ट्रांसको के कुल 751 कैपेसिटर बैंक सक्रिय हैं। इनमें 220 केवी सबस्टेशनों पर 145 केवी स्तर के 32 कैपेसिटर बैंक तथा 132 केवी सबस्टेशनों पर 36 केवी स्तर के 719 कैपेसिटर बैंक शामिल हैं। इनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 92718.5 एमवीएआर है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं को स्थिर और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

52 पुराने कैपेसिटर बैंकों को बदला गया

कंपनी ने 52 पुराने कैपेसिटर बैंकों की पहचान भी की है, जिनकी समयावधि पूरी हो चुकी है और जो अपेक्षित कैपेसिटिव लोड देने में सक्षम नहीं रह गए हैं। मुख्य अभियंता श्री सक्सेना ने बताया कि इन स्थानों पर अधिक क्षमता वाले कैपेसिटर बैंकों की स्थापना कर उनकी प्रतिस्थापना और क्षमता वृद्धि का कार्य तेज गति से किया जा रहा है।

वयों जरूरी है कैपेसिटर बैंक

सबस्टेशनों से विद्युत आपूर्ति के दौरान अक्सर पावर ट्रांसफार्मर्स पर इंडक्टिव लोड बढ़ जाता है, जिससे वोल्टेज में गिरावट आती है और बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। कैपेसिटर बैंक अपने कैपेसिटिव लोड के माध्यम से इस प्रभाव को संतुलित करते हैं। इससे पावर फैक्टर में सुधार होता है और उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

सुश्री डॉ. बसंती दहाड़े- जेडीए कॉलोनी विजयनगर निवासी श्री जीआर दहाड़े की पुत्री सुश्री डॉ. बसंती दहाड़े (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सरजू प्रसाद- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी ओएफके से सेवानिवृत्त श्री सरजू प्रसाद (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राकेश सोनी- अमखेरा आवास योजना गोहलपुर निवासी श्री राकेश सोनी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कृष्णा दीवान- राजूल पलेट पंचशील नगर नर्मदा रोड निवासी श्री तिलक राज दीवान की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा दीवान (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुणेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रुक्मिणी बर्मन- सर्वट क्वार्टर्स मेंडिकल गढ़ा पुरवा निवासी श्री नंदीलाल बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती रुक्मिणी बर्मन (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गोपाल पासी- गोरखपुर स्थित पुराने छोटी लाइन फाटक के पास निवासी श्री रमेश पासी के पुत्र

श्री गोपाल पासी (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुणेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री लल्लू विश्वकर्मा- कृषि उपज मंडी के पास दमोहनाका निवासी श्री लल्लू विश्वकर्मा (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शैलेंद्र पटेल- पाटन कन्या शाला के पास निवासी श्री शैलेंद्र पटेल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री श्याम लाल सेन- सिविल लाइन पुराने पावर हाउस के पास निवासी श्री श्याम लाल सेन (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुंदर बाई- पुरानी बस्ती माड़ोताल निवासी श्री बाबू लाल की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदर बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

पोलीपाथर नर्मदा नगर निवासी श्री जीएस ठाकुर के पुत्र श्री अजय सिंह ठाकुर (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश त्रिवेदी- गंजीपुरा हर्दौल मंदिर के पीछे निवासी श्री राजेश त्रिवेदी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सचिन ठाकुर- छिवला गौरीघाट निवासी श्री सुरेश ठाकुर के पुत्र श्री सचिन ठाकुर (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ललिता पिल्लई- उमा नगर अधारताल निवासी श्री कृष्णा स्वामी पिल्लई की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता पिल्लई (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती उषा रानी पट्टेरिया- बंगला नं. 4 आसाम पथ साउथ सिविल लाइन निवासी श्री तुलसीदास पट्टेरिया की धर्मपत्नी श्रीमती उषा रानी पट्टेरिया (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार

गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुधा मातेले- अशोक विहार रामपुर एफसीआई गोदाम के पास निवासी श्री विद्याधर मातेले की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा मातेले (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती राजकुमारी श्रीवास्तव- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री शंभुदयाल श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी श्रीवास्तव (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संदीप यादव- बड़ा पत्थर रांड़ी निवासी श्री महेंद्र यादव के पुत्र श्री संदीप यादव (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सुरेश पचौरी- पोलीपाथर बागड़ा दफाई निवासी श्री जिया लाल पचौरी के पुत्र श्री सुरेश पचौरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि विजी/शोक/उत्सव, एमडी रम, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
40/- प्रति लाइन प्रति दिन
विजय साहज- 1xx र.से.मी. ब्लैक/रिवाइट 300/-
विजय साहज- 1xx र.से.मी. रंगीन 400/-
विजय साहज- 1xx र.से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग- 930308294, 9407362160

11 हजार 476 करोड़ की लागत से चर्चाई में बनेगा 660 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट देर आये-दुरूस्त आये....अंततः मांग हुई पूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कैबिनेट में अहम प्रस्ताव पास पूर्व मंत्री बिसाहलाल ने 2018 में की थी मांग, 7 साल बाद मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को वंदे मातरम गायन के साथ कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई अहम प्रस्ताव पास हुए लेकिन सबसे अहम प्रस्ताव में अनूपपुर जिले के चर्चाई व बैतूल के सारणी में 24,000 करोड़ रुपये की लागत से 1320 मेगावाट (प्रत्येक 660 मेगावाट) की दो नई सुपर क्रिटिकल कोल आधारित थर्मल पावर प्लांट की मंजूरी दी गई। ये परियोजनाएं राज्य की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करते और भविष्य में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए



शुरू की जा रही हैं, जिन्हें मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत मीटिंग में मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की पूंजीगत योजना 500 मेगावाट अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चर्चाई की पुनरीक्षित लागत रूपए 11,476.31 करोड़ (ईपीसी सहित) का अनुमोदन किया गया।

चर्चाई की पुनरीक्षित लागत का अनुमोदन
मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की 660 मेगावाट की अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चर्चाई की पुनरीक्षित लागत 11 हजार 476 करोड़ 31 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान

किया गया है। परियोजना का वित्त पोषण 20:80 अंशपूँजी एवं ऋण के अनुपात में किया जायेगा। राज्य शासन द्वारा 20 प्रतिशत अंशपूँजी में से 699 करोड़ 90 लाख रूपये की राशि प्रदान की जायेगी और शेष राशि की व्यवस्था मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा स्वयं के ख़ाते से की जायेगी। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 तक प्रदान/आवर्तित की गई 365 करोड़ रूपये की राशि के अतिरिक्त शेष राज्यांश वित्तीय वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक की अवधि में 66 करोड़ 98 लाख रूपये विभागीय बजट के माध्यम से प्रत्येक वर्ष म.प्र. पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड को उपलब्ध कराई जायेगी।

विधायक बिसाहलाल सिंह ने रक्षी थी नींव
कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व व उपेक्षा से क्षुब्ध होकर तत्कालीन अनूपपुर विधायक बिसाहलाल सिंह भाजपा में शामिल होने के

दौरान कुछ शर्तें रखी थी जिसमें से एक अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र चर्चाई में 660 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने की भी प्रमुख शर्त थी। सत्ता परिवर्तन के मचे खलबली के दौरान 2018 में हुये उपचुनाव में चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अनूपपुर जिले के दौरे पर आए थे तब बिसाहलाल सिंह विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्यों की मांग थी। इस दौरान श्री चौहान ने अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र चर्चाई में 660 मेगावाट का पावर प्लांट की बात कही थी। जिसके वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की कैबिनेट ने राशि स्वीकृति प्रदान कर कार्य शुरू करने स्वीकृति प्रदान की है। तब श्री सिंह के अनूपपुर विधानसभा से चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने विशेष प्राथमिकता देते हुए मंत्रिमंडल में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री के पद से नवाजा था।

आठ साल की लूट पर उत्सव नहीं जवाब मांग रही जनता: नकुलनाथ

हरिभूमि न्यूज़ छिंदवाड़ा
जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का तीन दिवसीय दौरे पर छिंदवाड़ा आगमन हुआ। विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर पहुंचे श्री नाथ का कावेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन ने पुष्प गुच्छ व पुष्पहार से गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कमलनाथ व नकुलनाथ जिंदबाद के नारों से हवाई पट्टी गूँज उठी। हवाई पट्टी पर उपस्थित मीडिया के साथियों ने जीएसटी कम कर भाजपा के द्वारा उत्सव मनाए जाने के प्रश्न के प्रत्युत्तर में नकुलनाथ जी ने कहा कि लगातार 8 वर्षों तक जीएसटी के नाम पर छिंदवाड़ा की जनता से प्रत्येक समर्थन की खरीदों पर अतिरिक्त राशि वसूलने वाली भाजपा ने जनता के बढ़ते आक्रोश और कावेस के चलते विरोध के उपरान्त जीएसटी में कटौती की है, यह भाजपा की भूल सुधार है जिस पर उन्हें जनता से खुले दिल से माफ़ी मांगनी चाहिए। जनता पर 28 प्रतिशत जीएसटी थोपने वाली भाजपा इसमें कमी कर उत्सव का नाम दे रही है।

मां शारदा के दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़ यूपी से पैदल और दंडवत यात्रा कर रहे हैं श्रद्धालु

सतना।
प्रसिद्ध शक्तिपीठ मेहर, इन दिनों भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। मां शारदा देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल भी मेहर पहुंच रहे हैं जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बन गया है। इनमें से कई भक्त उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कर्वी और आसपास के अन्य इलाकों से पैदल ही अपनी यात्रा पर निकले हैं। उनकी यह यात्रा केवल दूरी तय करना नहीं है, बल्कि यह उनकी अटूट श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। सैकड़ों की संख्या में लोग छोटे-छोटे समूहों में पैदल चलकर मेहर की ओर बढ़ रहे हैं। इनमें से कुछ श्रद्धालु 5-5 या 10-10 के जत्थों में सतना से होते हुए मेहर पहुंच रहे हैं। लेकिन जो बात सबसे ज्यादा ध्यान खींच रही है, वह है दंडवत परिक्रमा करते हुए जा रहे भक्तों की संख्या। ये भक्त



लेटकर, उठकर और फिर लेटकर अपनी परिक्रमा पूरी कर रहे हैं, जो उनकी घोर तपस्या और समर्पण को दर्शाता है। यह दंडवत यात्रा केवल शारीरिक चुनौती नहीं है, बल्कि यह मां शारदा के प्रति उनके गहरे प्रेम और भक्ति का प्रमाण है। मेहर में केवल पैदल चलने वाले ही नहीं, बल्कि विभिन्न वाहनों से आने वाले भक्तों की भी भारी भीड़ देखी जा रही है। उत्तर प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय

वृद्धि हुई है, जिससे मेहर का मुख्य प्रवेश द्वार और आसपास के क्षेत्र पूरी तरह से भक्तिमय माहौल में डूब गए हैं। गाड़ियों, बसों और अन्य निजी वाहनों की लंबी कतारें बताती हैं कि मां शारदा के प्रति भक्तों की आस्था कितनी गहरी है। नवरात्रि के अलावा भी, मेहर में साल भर भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या में हुई वृद्धि ने एक विशेष उत्साह भर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने भी भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं, ताकि सभी श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के मां शारदा के दर्शन कर सकें। यह दृश्य बताता है कि भले ही समय बदल गया हो, लेकिन लोगों की आस्था और विश्वास आज भी उतना ही मजबूत है। मां शारदा के प्रति उनकी भक्ति ही उन्हें इतनी लंबी और कठिन यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है।

धड़ल्ले से हो रही मवेशियों की तस्करी

मेहर। शहर में मवेशियों की अवैध तस्करी का मामला फिर से सुर्खियों में है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह मवेशियों, खासकर भैंसों को जबनन टूस-टूसकर वाहन में लादा जा रहा है। वीडियो देखने वालों का कहना है कि यह दृश्य ईंसानियत को शर्मसार करता है और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सूत्रों के अनुसार, यह मवेशी स्थानीय स्तर से इकट्ठा कर अवैध तरीके से बाहर भेजे जाते हैं, जहां उनका अवैध वध होता है। कई वर्षों से चल रहे इस धंधे में स्थानीय प्रभावशाली लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं। मामले में एक निवासी कटिया तिचरा का बताया जा रहा है यह लंबे समय से मवेशियों की अवैध तस्करी कर रहा है। ग्रामीणों और शहरवासियों का कहना है कि यदि पुलिस विभाग और प्रशासन चाह ले तो इस अवैध धंधे पर तुरंत रोक लगाई जा सकती है।

जिला जेल की सुरक्षा में सेंध हत्या का आरोपी हुआ फरार

हरिभूमि न्यूज़ छिंदवाड़ा
जिला जेल में मंगलवार को रायसेन का एक विचाराधीन कैदी जिस पर हत्या का आरोप है उसने जेल की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया है। जिला जेल में बंद आसिफ नाम का यह कैदी जेल की दीवार को फांदकर बाहर निकल आया। पास के मोहल्ले में ही लोगों ने उसे चोर समझकर पकड़ लिया। पीड़ित जमा होने पर चोर समझकर उसकी पिटाई भी की। घर की बाउंड्रीवाल से जब वह मोहम्मद अफराज खान के घर में कूदा तो परिवार को लगा कि यह कोई चोर है परिवार वालों ने पकड़कर उसकी पिटाई करना शुरू कर दिया। तभी आसिफ ने खुलासा करते हुए बताया कि जिला जेल छिंदवाड़ा में भर्ती वह हत्या का आरोपी है और वह रायसेन जिले के बरेली का रहने वाला है। जेल व्यवस्था की सुरक्षा दिनबदिहए हत्या के कैदी का भागना जेल की व्यवस्था में गंभीर



सवाल खड़े कर रही है। जेल की सुरक्षा व्यवस्था में कमी है आज की इस घटना से साबित हो रहा है कि यह तो अच्छी ही हुआ कि यह कैदी पकड़ में आ गया अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती थी। इससे इंकार नहीं किया जा सकता। जिला जेल इस समय काफी चर्चा में चल रहा है। अभी हाल ही में दो कैदियों की बीमारी से मौत हो गई थी। जिसकी जांच अभी तक जारी है। जेल अधीक्षक प्रतीक जैन का कहना है कि जेल की दीवारों को ऊंचा और सुरक्षित बनाने के लिए विभाग को पत्र लिखा गया है। छिंदवाड़ा की जेल की दीवारें काफी पुरानी और अपेक्षाकृत नीची है जिसका फायदा उठाकर अपराधी भागने में सफल हो गया। अब यह तो जांच का विषय है कि जिम्मेदारों पर क्या कार्यवाही की जाती है परंतु हत्या के आरोपी का जेल से भागना और जनमानस के बीच में पहुंच जाना एक नए अपराध का जन्म हो सकता था। परंतु मोहल्ले वालों की सतर्कता पुनः पुलिस के हवाले किया गया।

अब मानादेई में कुत्तों ने बच्ची को बनाया शिकार

हरिभूमि न्यूज़ मण्डला
कुत्तों के आतंक का सिलसिला अब नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी फैलता जा रहा है। कल जिला मुख्यालय की समीपी ग्राम पंचायत मानादेई में एक 09 वर्षीय बालिका परी उर्फ माही सिंधिया को कुत्तों ने गंभीर से घायल कर दिया माही जब घर के सामने ही आंगन में खेल रही थी तो कुत्ते ने आकर उसके पैर को अपने मुंह में जकड़ लिया डर के मारे माही चिल्लाती रही और कुत्ते से बचने का प्रयास करती रही आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह माही को कुत्ते के चंगुल से छुड़या तब तक माही के पैर एवं घुटनों में गंभीर जखम हो चुके थे और



तो और बचने के सिलसिले में माही गिर गई और कुत्ता उसे घसीटता रहा इस दौरान माही के पेट और पीठ में भी चोटें आई हैं। कुत्तों के द्वारा मासूम बच्चों को शिकार बनाने का सिलसिला थम नहीं रहा आखिर कब जाकर जिला प्रशासन इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास करेगा।

द्वारिका वेयर हाउस में चल रहा था नकली खाद बनाने का गोरखधंधा

57 बोरी नकली डीएपी एवं 57 बोरी कच्चा माल, एक हजार खाली बोरी जप्त छतरपुर। रबी फसल का मौसम आते ही जिले में नकली खाद बनाने और कालाबाजारी करने का सिलसिला तेजी से चल रहा है। लेकिन कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने नकली खाद बनाने और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। लगातार तीन दिनों से हो रही कार्यवाही को देखते हुये यह स्पष्ट है कि छतरपुर जिला नकली खाद बनाने का गढ़ बन चुका है। सोमवार की शाम को एसडीएम अखिल राठौर, कृषिउपसंचालक डॉ. वीरेश कुमार सिंह और थाना ओरछा रोड पुलिस ने खोंप के द्वारिका वेयर हाउस में छापामार कार्यवाही की, तो वहां लालसा हुआ कि बड़े पैमाने पर वेयर हाउस के अंदर नकली खाद बनाने का कारोबार चल रहा था। एसडीएम ने मौके से 57 बोरी नकली डीएपी और 57 बोरी कच्चा माल तथा एक हजार खाली बोरियां जो विभिन्न कंपनियों के नाम की छपी हुई थी, जप्त की गईं और मौके से बोरी पैकिंग की मशीन भी पाई गईं जिसे जप्त किया गया है। खाद व कच्चा माल मण्डी के डबल लोक में रखवा दिया गया है। एसडीएम ने बताया कि वेयर हाउस को सील कर दिया गया और वेयर हाउस संचालक आदित्य पिता रामनारायण पाठक के विरुद्ध थाना ओरछा रोड में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पूरे मामले की जांच कृषि विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। थाना ओरछा रोड के अंतर्गत ही रात को हिलापुर मार्ग पर एक पिकअप क्र. यूपी 95 एटी 3990 को पकड़ा गया, जिसमें नकली खाद भरी हुई थी। इस मामले में ड्राइवर से पूछताछ की गई लेकिन ड्राइवर ने पूछताछ के दौरान सही जानकारी नहीं बताई वह पुलिस को पूछताछ के दौरान गुमराह करता रहा। बाद में कृषि विस्तार अधिकारी शारदा प्रसाद कारपेंटर की रिपोर्ट पर थाना ओरछा रोड में सचिन सिंह सेंगर पिता राजेन्द्र सिंह सेंगर, विक्रम सिंह सेंगर पिता देवसिंह सेंगर निवासी गौर थाना गढीमलहरा के विरुद्ध मामला धारा- 3 एवं 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दर्ज किया गया और पिकअप जप्त की गई पिकअप में 58 बोरी डीएपी भरी हुई थी।

बीएसएफ जवान के परिवार पर हमला, गर्भपात कराने का आरोप

सतना।
जैतवारा थाना क्षेत्र के ग्राम संग्राम टोला में एक बीएसएफ हेड कॉन्स्टेबल के परिवार पर हमले का चौकाने वाला मामला सामने आया है। पीड़ित ज्ञानेन्द्र बहादुर सिंह ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। ज्ञानेन्द्र ने आरोप लगाया है कि 12 जून को संतोष सिंह, अरुण प्रताप सिंह, उपेन्द्र सिंह और अशोक सिंह सहित कुछ अन्य लोगों ने उनके परिवार पर हमला किया। पीड़ित के अनुसार, हमलाकारों ने उनकी भाभी नीलम सिंह को जबनन जहर खिला दिया, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। इसके अलावा, उन्होंने ज्ञानेन्द्र की दो माह की गर्भवती पत्नी सुधा सिंह की भी पिटाई की, जिसके कारण उनका गर्भपात हो गया। सतना जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने भी इस बात की पुष्टि की है। ज्ञानेन्द्र ने जैतवारा थाना पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुलिस से मामले को हल्की धाराओं में दर्ज किया और एमएलसी रिपोर्ट भी नहीं लगाई। पीड़ित ने एएसपी से मामले की दोबारा जांच करने और आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और गर्भपात जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

कुख्यात भूमाफिया पर कसा प्रशासन का शिकंजा

कारण बताओ नोटिस जारी
जिला प्रशासन ने आखिरकार उस कुख्यात भू-माफिया पर बड़ा वार किया है, जिसका नाम वर्षों से आदिवासी जमीन हड़पने और फर्जी रजिस्ट्री कराने में सामने आता रहा है।
शहडोल।

जिले के कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने 12 सितंबर 2025 को जारी कारण बताओ नोटिस में साफ शब्दों में लिखा है कि राजेश कुमार मिश्रा ने भू-राजस्व संहिता और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं का खुला उल्लंघन करते हुए आदिवासी वर्ग की जमीनें हड़पी, फर्जी नामांतरण कराए और करोड़ों का अवैध कारोबार खड़ा कर लिया। अब उन पर सेवा प्रदाता पंजीयन और लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही शुरू हो चुकी है।
नोटिस ने खोली राजस्व नेटवर्क की पील
कलेक्टर कार्यालय से जारी नोटिस ने जिले में चल रहे भूमाफिया-राजस्व गठजोड़ की परतें उधेड़ दी हैं। यह नोटिस सीधे-सीधे मिश्रा को थमाते हुए बताता है कि उन्होंने अनुसूचित जनजाति की जमीनें

खरीदकर और नामांतरण कराकर नियमों का खुला उल्लंघन किया। न सिर्फ सरकारी और आदिवासी जमीनें हड़पी गईं, बल्कि उन पर कंलोनियां और भवन खड़े कर गैरकानूनी रियल एस्टेट कारोबार किया गया।

पुराने रिकार्ड बने सबूत
नोटिस में दर्ज तथ्यों के अनुसार 1968 और 1991 के नामांतरण रिकार्ड से यह साफ हुआ कि मिश्रा के नाम पर विवादित जमीनें दर्ज की गईं। जांच में पाया गया कि उन्होंने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165(6) का उल्लंघन कर अनुसूचित जनजाति की भूमि पर कब्जा किया। यही नहीं, वर्तमान अभिलेखों में भी विवादित जमीनें उनके नाम दर्ज हैं। प्रशासन ने चेताया है कि यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि दंडनीय अपराध है।
पूरा परिवार बना 'जमीन कारोबारी'
सूत्र बताते हैं कि मिश्रा अकेले नहीं, बल्कि पूरा परिवार इस खेल में संलिप्त है। उनके भाई और रिश्तेदार भी जमीन कारोबार में लगे हुए हैं। वकीलों और ऑनलाइन रजिस्ट्री वेंडर्स से लेकर तहसील, पटवारी और एसडीएम कार्यालय तक एक संगठित नेटवर्क खड़ा किया गया। इस नेटवर्क की मदद से शहडोल जिले में जमीनों का 'होलसेल कारोबार' चला—करोड़ों की जमीनें खरीदी-बेची गईं। यहां तक कि पुराने एयरप्लेन शेड्यूल की जमीनों पर भी



कब्जा कर लिया गया।
कानूनी धाराओं का शिकंजा
जारी नोटिस में कहा गया है कि मिश्रा का यह कृत्य न केवल भू-राजस्व संहिता 1959 का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं के अंतर्गत भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। नोटिस में दो सीधे सवाल पूछे गए हैं, जिसमें उल्लेख है कि क्यों न आपके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए? क्यों न आपकी सेवा प्रदाता पंजीयन/लाइसेंस को तत्काल निरस्त किया जाए? यह सवाल सिर्फ औपचारिकता नहीं,

बल्कि प्रशासन की ओर से कठोरतम कार्रवाई का संकेत हैं। यदि इन धाराओं में प्रकरण दर्ज होता है तो श्री मिश्रा न केवल लाइसेंस से हाथ धो बैठेंगे, बल्कि जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है।
...तो सबसे बड़ा भू-माफिया
स्थानीय लोगों का कहना है कि श्री मिश्रा वर्षों से जिले के सबसे बड़े भू-माफिया के रूप में जाने जाते हैं। उनके खिलाफ दर्जनों शिकायतें हुईं, लेकिन हर बार उनका नेटवर्क और दबदबा मामलों को दबा देता। लोग शिकायत करने से भी डरते थे, क्योंकि नामांतरण से लेकर रजिस्ट्री तक हर प्रक्रिया उनके पक्ष में सेंटिंग से पूरी कराई जाती थी। आदिवासी वर्ग की जमीनें एक के बाद एक उनके नाम दर्ज होती गईं और गरीबों की पुरतैनी संपत्ति कुछ ही सालों में कागजों से गायब हो गई।
भूमाफियाओं में खलबली
राजेश कुमार मिश्रा पर कार्रवाई ने जिलेभर के अन्य भू-माफियाओं में भी खलबली मचा दी है। लंबे समय से जमीनों को लूट-खसोट कर कागजों पर कब्जा करने का सिलसिला चला आ रहा था। अब प्रशासन की इस सख्ती ने संकेत दिया है कि नियमों से खिलवाव करने वाले किसी को नहीं बख्शा जाएगा। जनता चाहती है कि केवल नोटिस पर ही कार्रवाई खत्म न हो, बल्कि ठोस नजीर पेश की जाए। जिन अफसरों और कर्मचारियों की मिलीभगत से यह गोरखधंधा फला-फूला, उन्हें भी पकड़ने में

खड़ा किया जाए। करोड़ों की जमीनें हड़पकर अवैध प्लॉटिंग करने वालों को सजा मिले, तभी जनता का भरोसा प्रशासन पर कायम होगा।

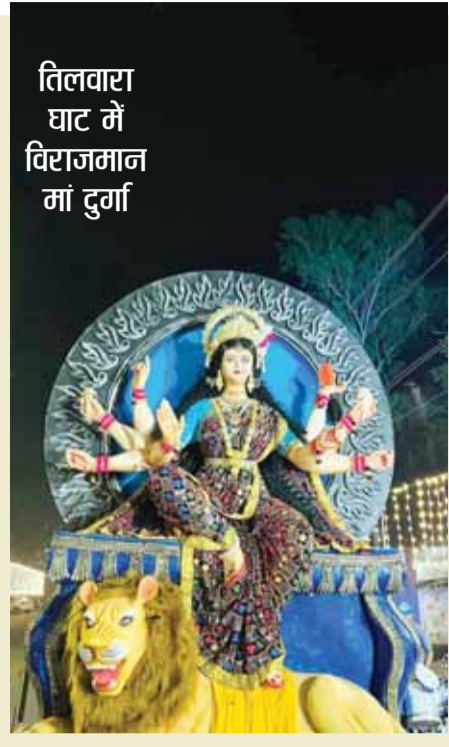
सनसनी और उम्मीद
इस बार जब कलेक्टर ने सीधे मोर्चा खोला, तो जिले भर में सनसनी फैल गई है। श्री मिश्रा के खिलाफ जारी नोटिस ने उनके नेटवर्क की जड़ें हिला दी हैं। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार मामला दबाया नहीं जाएगा। जनता खुलकर इस कार्रवाई का समर्थन कर रही है और यह मांग जोर पकड़ रही है कि मिश्रा समेत पूरे नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई हो।

ज्यादा दिन नहीं चलेगा भू-माफिया का खेल
शहडोल में आदिवासी जमीनों की लूट केवल एक व्यक्ति को करतूत नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का आईना है। मगर इस बार जिला प्रशासन का कदम उम्मीद जगा रहा है। कारण बताओ नोटिस ने साबित कर दिया है कि भू-माफियाओं का खेल अब ज्यादा दिन नहीं चलेगा। यदि इस बार प्रशासन ने सख्ती बरकरार रखी तो शहडोल में न केवल श्री मिश्रा का साम्राज्य ढहेगा बल्कि अन्य भू-माफियाओं के हौसले भी परत होंगे। जनता यही चाहती है कि अवैध कब्जाधारियों को सख्त सजा मिले और आदिवासी जमीनें वापस अपने हकदारों तक पहुंचें।



आस्था की लौ में भक्ति की ज्योत

शारदेय नवरात्र पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़



तिलवारा घाट में विराजमान मां दुर्गा

जबलपुर। शारदेय नवरात्र की आज बुधवार को तृतीया तिथि है। शक्ति की भक्ति के महापर्व नवरात्र पर देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है। सुबह होते ही मां भगवती को जल धारने भक्तजनों की मंदिरों में लंबी कतार देखी जा रही है। शहर के दुर्गा मंदिरों में आकर्षक विद्युत साज सजा के बीच भक्त जन मां की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। शहर के अनेक स्थानों पर बैठकी से ही जगत जननी की मनोहारी प्रतिमाओं की स्थापना कर ली गई है। जहां मनोहारी विद्युत छटा के बीच धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। शारदेय नवरात्र पर्व पर संस्कारधानी धर्मधानी के रूप में नजर आ रही है। नौ दिनों तक भगवती का व्रत रखने वाले साधक पूजन पाठ में तल्लीन हैं। पंचमी से अधिकांश क्षेत्रों में प्रतिमाओं की स्थापना के बाद माता के दर्शनार्थ श्रद्धालुओं का जन सैलाब सड़कों पर दिखाई देने लगेगा।

आज होगा मां चंद्रघंटा का पूजन

ज्योतिषाचार्य पं. पीएल गोतामचार्य के अनुसार मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप चंद्रघंटा है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसलिए इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। नवरात्रि में तीसरे दिन इनका पूजन अर्चन किया जाता है। इनके पूजन से साधक में मणिपूर चक्र के जागृत होने वाली सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं तथा सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है।

जल धारने लगी लंबी कतार

लगभग आठ सौ वर्ष पुरानी जबलपुर की ग्राम देवी के नाम से प्रसिद्ध तथा आदिवासी समुदाय की कुलदेवी बड़ी खेरमाई मंदिर मानतैया में सुबह 4 बजे से ही भक्तजनों की जल धारने के लिए लाइन लग जाती है। यहां मंदिर परिसर में 09 दिवसीय मेला भी लगा है। मां भगवती का जिल्ला मनोहारी श्रृंगार, महाआरती के अलावा विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

राजा बनते-बनते वनवासी हो गए राम भगवान की वनवासी छवि से विहल हुए श्रद्धालु

जबलपुर। राजकाज सकल संभारिहें भरत बंधु-असुर संहारिवे को मैं तो वन जाऊंगी, करिके सहाय दुखी-दीनन की फेरि आय-मातु तेरे पायन पे शीष को झुंकाउंगी.. ये कहते हुए श्रीराम ने जैसे ही माता कैकेई से वन जाने की आज्ञा मांगी, श्रोता द्रवित हो गए। वनगमन की करुणामयी मानव लीला का प्रसंग गोविंदगंज रामलीला के पात्रों ने सजीव कर दिया। वन गमन की लीला देखते-देखते श्रद्धालु दर्शकों की आंखें छलछला आरंभ।



संवाद अदायगी ने मन मोहा

रामलीला में आज कैकेई-मंधरा, दशरथ-सुमंत, राम-लक्ष्मण-जानकी आदि के संवादों की असीमित उच्चता देखी गई। एक-एक भाव और एक-एक संवाद साहित्य-लालित्य से परिपूर्ण था। आज दशरथ के रूप में राकेश पाठक, कैकेई के रूप में दीपक पांडे, राम के रूप में ओम दुबे, लक्ष्मण के रूप में मानस पाठक, सीता के रूप में विद्यान जोशी गुरुवर के रूप में सीताराम शाखा आदि ने अपने संवाद से समां बांध दिया।

अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि आज रामलीला में एक और मार्मिक प्रसंग केवट प्रसंग की लीला होगी। श्री तिवारी ने श्रोताओं से उपस्थिति की अपील की है।

सेठ मन्जुलाल हॉस्पिटल ने मनेरी में लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर

जबलपुर। सेठ मनुलाल जगन्नाथदास हॉस्पिटल ट्रस्ट के तत्वावधान में मंगलवार को सेठन पापुलमिटेड, मनेरी परिसर में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और समाज के जरूरतमंद वर्ग को लाभ पहुंचाना था। शिविर में प्रमुख चिकित्सकों डॉ. के. सी. देवानी, डॉ. सुलेखा देवानी, डॉ. प्रदीप शुक्ला, डॉ. आशीष पटेल तथा डॉ. डी. के. तिवारी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों की टीम ने महिलाओं, पुरुषों एवं वरिष्ठ नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक रोग निदान कर दवाइयों वितरित कीं।



इस अवसर पर सामान्य रोग, महिला रोग एवं प्राथमिक उपचार संबंधी परामर्श दिए गए। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयों निःशुल्क वितरित की गईं, जिससे शिविर का लाभ वास्तविक रूप से समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचा। शिविर के दौरान अस्पताल ट्रस्ट की ट्रस्टी श्रद्धा मालपानी भी उपस्थित रहीं और उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सहयोग प्रदान किया।

आयुर्वेदिक औषधीय की महत्ता समझाने हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत भारत सरकार, केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) जबलपुर के अपर निदेशक डॉ. एके सुधांशु मुख्यअतिथि में डिस्पेंसरी न 3 प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस रंजन की अध्यक्षता में आयुर्वेदिक डॉ. ज्योति सिंह के संयोजन में आयुर्वेदिक औषधियों के सम्बंध में एक संगोष्ठी का आयोजन किया। अतिथियों एवं उपस्थित सभी जनों को औषधीय पौधे भेंट कर स्वागत किया। डॉ. एके सुधांशु अपर निदेशक, डॉ. स्नेहानसु रंजन व आयुर्वेदिक डॉ. ज्योति सिंह ने विचार प्रकट करते हुए कहा कि भारत सरकार भी आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न और स्वास्थ्य शिविर संचालित कर रही है। ग्रामीण आंचलिक क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्र तक, स्वस्थ



जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को आयुर्वेद के महत्व से जोड़ा जा रहा है। आयुर्वेदिक औषधीय से जन मानस के स्वास्थ्य में अच्छे परिणाम के बारे में विस्तृत प्रकाश डालते हुए जागरूक किया। विरिष्ठ नागरिक परिषद के संगठन सचिव अनिल शुक्ला ने बताया कि अपर निदेशक डॉ. एके सुधांशु के कुशल मार्गदर्शन में इस

गहोई गरबा महोत्सव आज

जबलपुर। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत के अंतर्गत नारी मंडल एवं नवयुवक मंडल के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार गहोई गरबा का भव्य आयोजन बुधवार 24 सितम्बर को शाम 6 बजे से एमजीजी मैरिज पैलेस ग्राउंड प्रांगण, मेट्रो हॉस्पिटल के सामने, दमोह नाका जबलपुर में आयोजित है। समाज की बहू बेटियों के द्वारा गरबा किया जा रहा है। समाज अध्यक्ष रामगोपाल ददरया, डॉ. अरुण सरावगी, अरुण खर्द, सुभाष चंद्र रावत, अरुण रावत, वर्तमान पंच व पूर्व अध्यक्ष शंभुदयाल बड़ौरिया व विजय सुहाने सहित समस्त पंचगण तथा नारी मंडल अध्यक्ष श्रीमति मेधा बड़ोन्त्या, श्रीमति हर्षना तीतबिलासी तथा नवयुवक मंडल अध्यक्ष अभिषेक बिचपुरिया एवं अभिषेक मेडा आदि ने समस्त सामाजिक बंधुओं से सपरिवार गरबा कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है।

एमबीबीएस किताबों के हिंदी अनुवाद पर 10 करोड़ खर्च!

जबलपुर। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने मध्यप्रदेश सरकार की एमबीबीएस किताबों को हिंदी में अनुवादित करने की पहल को नीतिगत विफलता और आर्थिक बर्बादी करार दिया है। इस परियोजना पर 100 मिलियन रुपये (10 करोड़ रुपये) से अधिक खर्च होने के बावजूद, छात्रों और प्रोफेसरों ने इन किताबों को अपनाने में रुचि नहीं दिखाई, जिससे यह पहल पूरी तरह असफल साबित हुई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपीटी) 2020 के तहत मध्यप्रदेश सरकार ने हिंदी भाषी छात्रों को एमबीबीएस की पढ़ाई में सहायता देने के लिए पाठ्यपुस्तकों का हिंदी अनुवाद शुरू किया। इसके लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति, अनुवाद, प्रूफरीडिंग और प्रकाशन पर भारी निवेश किया

गया। खर्च और वर्तमान स्थिति परियोजना पर 100 मिलियन रुपये से अधिक खर्च हुए। मेडिकल कॉलेजों में इन किताबों का उपयोग लगभग शून्य है। छात्र और प्रोफेसर अंग्रेजी माध्यम को प्राथमिकता दे रहे हैं। श्री तिवारी ने कहा है कि हिन्दी अनुवाद में विफलता के कुछ कारण सामने आए हैं। मेडिकल शब्दावली कुछ शब्दों का हिंदी अनुवाद अस्पष्ट और गलत पाया गया, जिससे किताबें अविश्वसनीय हो गईं। छात्र अंग्रेजी को वैश्विक मेडिकल साहित्य और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए जरूरी मानते हैं। प्रोफेसर अंग्रेजी में पढ़ाने के आदि हैं और हिंदी किताबों को अपनाने के लिए प्रशिक्षण या प्रोत्साहन की कमी है। परियोजना से पहले छात्रों और विशेषज्ञों से पर्याप्त परामर्श नहीं किया गया। किताबें मेडिकल कॉलेजों में धूल खा रही हैं।

डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

नुकड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश जबलपुर। डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा विगत दिवस करमेता क्षेत्र में एक विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत बी.एड., एम.एड एवं डी.एल.एड के प्रशिक्षार्थियों ने घर-घर जाकर समुदाय के लोगों को बारिश के मौसम में फेलने वाली बीमारियों जैसे चिकनगुनिया, डेंगू, टायफाइड और मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। अभियान के दौरान नुकड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को मनोरंजक तरीके से जागरूक किया गया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि कैसे बारिश का जमा पानी मच्छरों की उत्पत्ति का कारण बनता है, जिससे इन बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। महाविद्यालय की संरक्षिका श्रीमती कृष्णा चौबे, डायरेक्टर डॉ. अभिषेक चौबे, प्राचार्य डॉ. भावना सोनेजी एवं शिक्षकगण डॉ. सुधा पासी, डॉ. समता तिवारी, सीमा तिवारी, मालती पण्ड्या, ज्योति चक्रवर्ती, आरती श्रीवास्तव एवं पल्लवी दुबे इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल रहे और प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन किया।

श्री दुर्गा हनुमान मंदिर में संकीर्तन प्रभात फेरी के साथ हुआ शारदेय नवरात्रि का भव्य शुभारम्भ

जबलपुर। श्री दुर्गा हनुमान मंदिर समिति (सरस्वती कॉलोनी, चेरीताल) के संयोजकत्व में प्रतिपदा की शुभ तिथि पर आज प्रातःबेला में श्री चैतन्य महाप्रभु, राधा नाम संकीर्तन मंडल, सनातनी ग्रुप, मानस मण्डल, मानस संकीर्तन मण्डल, नर्मदा सेवा मिशन, श्याम नगर रामायण मण्डल, श्री राम मानस मण्डल धनवती नगर, नर्मदा जनजागरण चेतना मण्डल मण्डल, दुर्गा मंदिर महिला भजन मंडली आदि अनेक संकीर्तन मण्डलों की सहभागिता से श्री दुर्गा मंदिर प्रांगण से विशाल संकीर्तन यात्रा, प्रभात फेरी निकाली गयी। जो सरस्वती उद्यान, शिवनगर, मेन रोड पंजाब बैंक कॉलोनी, श्री राम मंदिर, नरेश भवन, चेरीताल आदि मार्गों से होते हुये पुनः मंदिर प्रांगण पहुँची जहाँ मातारानी की मंगल महाआरती व महाप्रसाद वितरण उपरांत संकीर्तन यात्रा का समापन हुआ। जहाँ



आध्यात्मिक परिधान में भक्तजन मातृशक्ति बाल बृद्ध उत्साह, उमंग उल्लास पूर्वक सभी जन सुमधुर संकीर्तन के साथ भक्ति रसगंगा थिरक उठे। लगभग 2 कि.मी. लम्बी संकीर्तन यात्रा पूर्ण सुव्यवस्थित और अनुशासित थी। इस अवसर पर अध्यक्ष देवेन्द्र नेमा, पं.वासुदेव शाखा, पं.मनमोहन दुबे, राजेश शर्मा, संतोष अग्रहरि, देवव्रत सोनी, अनुराग विश्वकर्मा, प्रशांत गुप्ता, नितिन दुबे, आशीष नेमा, श्याम कोठा, पवन साहू, सुरेन्द्र पांडे, नवीन नेमा, कीर्ति चौहान, प्रीति गुप्ता, अनिता शर्मा, प्रभा शर्मा, तनिक सोनी, सक्षम सोनी, अश्लुल सोनी आदि बड़ी संख्या में मातृ शक्ति एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

गढ़ा में धूमधाम से निकली श्री राम बारात



जबलपुर। श्री रामलीला समिति गढ़ा में भगवान श्रीराम की बारात 21 कलशों, अश्वरोही दल, दुलदुल घोड़ी नृत्य, धमाल, शहनाई, ढोल नगाड़ा, विशाल बैड की मनमोहक धुनों एवं आतिशबाजी के साथ निकाली गई। बारात आनंदकुंज, छोटी बजरिया, मेजर बीटी तिराह के सामने से गुलीआ, गौतम गंज, संजीवनी नगर, शाही नाका, पंडा की मढ़या, कोठा मोहल्ला, गढ़ा बाजार से होते हुए रामलीला मैदान पर समाप्त हुई। बारात में ब्रह्मा ,विष्णु ,महेश ,गणेश तथा अनेक

देवता गण बराती बनकर शामिल हुए। आकर्षक झांकियों के साथ तथा रथ पर विराजमान भगवान श्री राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न की शोभा देखते ही बन रही थी। जनता ने अपना उत्साह प्रकट करते हुए श्री राम बारात शोभा यात्रा का भव्य स्वागत संकट मोचन मंदिर समिति गुलीआ, भोलाराम खत्री जी, पंचमठा मंदिर समिति से पुजारी श्री शर्मा एवं उनकी टीम , श्रीमति पूजा श्रीराम पटेल पार्षद सजीवनीनगर, लोधी मोहल्ला दुर्गाोत्सव समिति, वंदेमातरम

दुर्गाोत्सव समिति फूलसागर, नीरज दुबे ने जनकपुरी बनकर बारात का स्वागत किया। इस अवसर पर बारात में समिति के संचालक अशोक मनोध्याय, वरिष्ठ समाजसेवी राममूर्ति मिश्रा, अध्यक्ष राकेश पाठक, निदेशक राजेश मिश्रा, महामंत्री लोकराम कोरी, रमाशंकर कटार, राजेंद्र प्यासी, शरद दुबे कुररिया, उमाशंकर मिश्रा, हरीश मनोध्याय आदि शामिल थे। राम बुधवार को श्री राम विवाह, आज कलेवा एवं मंधरा कैकेई संवाद की रोचक लीला का मंचन होगा।

धनुष यज्ञ सदर बाजार रामलीला रामराज्य अभिषेक अयोध्या में स्वागत लीला का मंचन



जबलपुर। राजा दशरथ मंत्रियों के साथ बैठक कर राम को राजा घोषित नजर उत्साहित प्रजाजन खुशियां तभी केकेई के कक्ष , मंधरा रानी तुम क्यों खुशियां, अपनी बातों में उलझा कर दशरथ राजा द्विप दो बार याद यहीं से अयोध्या को नजर लग जाती है सब कुछ पहलट जाता है राजा की जगह वनवास की तैयारी होती है प्रजाजन दुखी हो जाते हैं राजा दशरथ अपने कक्ष में रोते हैं 14 वर्ष का वनवास भारत का राजतिलक वहां लक्ष्मण सीता राम के साथ जाने की तैयारी करते हैं विराग आज कीआरती रवि महादर आकाश नायडू प्रवण अवस्थी शिव शंकर मिश्रा विजय ठाकुर प्रकाश सोनी जूनियर नरेश तिवारी संतोष तिवारी आशीष पाठक मोहित अग्निहोत्री कल राम वन गमन लीला का मंचन होगा। सीताराम कुरचानिया मधुर तिवारी अभिषेक चौकसे, संदीप चौकसे, प्रदीप चौकसे, राजकुमार गुप्ता, रामस्वरूप श्रीवास्त, डीपी कवल, डॉक्टर शंकर पांडे, संजय शुक्ला, दिनेश शुक्ला, राहुल राजक, देवकुरचानिया उपस्थित थे।



गैलेक्सी हॉस्पिटल में स्क्रब टायफस से जूझती मरीज को मिला नया जीवन

जबलपुर। गैलेक्सी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, उखरी रोड के चिकित्सकों ने एक बार फिर अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्क्रब टायफस से पीड़ित एक गंभीर मरीज को नया जीवनदान दिया है। कटनी से आई मरीज स्क्रब टायफस से ग्रसित हैं यह एक जीवाणु जनित बीमारी है, उन्हें तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और अनियमित हृदय गति की शिकायत थी। मरीज की हालत को देखते हुए तुरंत उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांचों के बाद चिकित्सकों ने पुष्टि की कि मरीज का रक्त में अत्यंत गंभीर स्थिति में अस्पताल लाया गया था। उन्होंने तेज बुखार